सृजन

वार्षिक पत्र — हिन्दी विभाग, सेंट बीडस् कॉलेज, शिमला

संस्करण 7 वर्ष 2024

सम्पादिका की ओर से

सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्रकाशित सत्र 2023–24 का वार्षिक पत्र आप सुधी पाठकों के समक्ष है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभाग ने हिंदी भाषा, साहित्य तथा संस्कृति के प्रचार –प्रसार के साथ ही महाविद्यालय की छात्राओं की भाषा प्रवीणता और सृजनात्मक कौशल के विकास को ध्यान में रखते हुए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। हिंदी सप्ताह, हिंदी दिवस, अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा एवं महिला दिवस आदि अवसरों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस प्रकार के आयोजन से उन्हें नवीन अनुभव मिलते हैं, वे सिर्फ़ एक छात्रा की दृष्टि से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक दायरे में भी एक ज़िम्मेदार सदस्य के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी के प्रति जागरूक होती हैं। इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'मुझे काटो मत, मुझे रोको मत' पर छात्राओं द्वारा रिज, शिमला के एम्फीथियेटर में मंचित नुक्कड़ नाटक इसका सशक्त उदाहरण रहा। छात्राओं के सृजनात्मक कौशल में वृद्धि के उद्देश्य से कविता लेखन प्रतियोगिता, निबंध, लेख, समीक्षा लेखन, सम्पादन कार्य आदि भी उन्हें सौंपे गए। उनकी इन गतिविधियों में भागीदारी हिंदी भाषा के प्रति उनकी निष्ठा तो दर्शाती ही है, साथ ही मातृभाषा दिवस के अवसर पर अपनी–अपनी क्षेत्रीय बोलियों में कविता–रचना उनकी हिमाचली संस्कृति के प्रति असीम प्रेम भी दिखाती है। साथ ही इस वर्ष विभाग की प्राध्यापिका की उपलब्धियों के साथ–साथ छात्राओं की उपलब्धि इस अंक में प्रकाशित है। हिंदी विभाग द्वारा भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के प्रचार में प्रयास अनवरत रहे। यही हमारी कामना है।

इस साल भारत को जी 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। यह सभी देशवासियों के लिए गर्व का विषय रहा कि भारत से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का पुरातन नारा वर्तमान वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक–सांस्कृतिक आदि परिस्थितियों को प्रभावित करने की मंशा से दिया गया । इसके बीच 'युवामंथन 20' की योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों में छात्रों को इस सुविचार से अवगत कराने के उद्देश्य से अनेक गतिविधियों के आयोजन की पहल की गयी। 'युवामंथन 20' के तहत सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने हिंदी सप्ताह 2023 के दौरान एक अंतरयान निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया था जिसका विषय था –"शांति और सद्भावना विकास के लिए अनिवार्य है। "इस अवसर पर छात्राओं द्वारा अभिव्यक्त महत्वपूर्ण विचार आपके समक्ष हैं –

शांति और सद्भावना विकास के लिए अनिवार्य

शान्ति और सद्भावना, ये दोनों तत्त्व एक सुशासित समाज और विकसित राष्ट्र की नींव होते हैं। शांति किसी भी देश की समृद्धि और स्थिरता की जड़ होती है। शांति के अभाव में किसी भी राष्ट्र

का विकास असंभव है। उसके साथ ही सद्भावना भी राष्ट्र की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होती है। सद्भावना नागरिकों के बीच एकता और सद्गुण जैसे भावों का संचार करती है। इन दोनों के बिना समाज में असहमति और विभाजन होता है जो राष्ट्रीय विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं।

शांति और सद्भावना व्यक्तिगत और सामाजिक सामंजस्य को भी बढ़ावा देती हैं।जब देश के नागरिक विभिन्न जातियों और धर्म के लोगों के साथ शांतिपूर्ण जीवन बिताते हैं तो वे समग्र विकास के लिए समर्पित हो जाते हैं। भारत एक विशाल देश है जो अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषायी और क्षेत्रीय विविधता के लिए प्रसिद्ध है।यहाँ आर्थिक रूप से भी समाज कई वर्गों में विभाजित है। अतः हमारे देश में शांति और सद्भावना की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। विभिन्न जातिगत और धार्मिक समुदायों के बीच एकता, भाईचारा और लोकतांत्रिक भावनाएँ ही देश को आगे ले जा सकती हैं। यह विविधता में एकता ही देश की समृद्धि का मज़बूत आधार है। परन्तु दुखद बात है कि हमारे देश के कुछ हिस्सों में धर्म, जाति, समुदाय आदि के नाम पर समाज में फूट, स्वार्थी भावनाओं के कारण सांप्रदायिक हिंसा और नफरत की आग भड़कायी जाती है।

इन मुद्दों से निपटने के कुछ उपाय इस प्रकार हैं –

सर्वधर्म सम भाव – अलग–अलग धर्मों के अनुयायी स्वयं को श्रेष्ठ और दूसरों को हीन न मानें। आपसी सौहार्द के साथ एक राष्ट्र में साथ रहकर उसके विकास पर विचार करें।

शिक्षा का महत्त्व – शिक्षा व्यवस्था के तहत देश की युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाए। शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री या रोज़गार प्राप्ति तक ही सीमित न रहे।यह हर एक छात्र के जीवन और विचार में जागरूकता एवं सकारात्मकता लाए।

गैर–सरकारी संगठनों का सहयोग – सामाजिक संगठन सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को शिक्षित करने की भूमिका निभाते हैं। उन्हें भी बढ़ावा दिया जाए।

विचार–विमर्श – समय–समय पर देश की सामाजिक–सांस्कृतिक उन्नति पर अनेक मंचों पर विचार–विमर्श होना चाहिए जिसमें शांति और सद्भावना की अहम् भूमिका होती है। शांति और सद्भावना जैसे विषय पर डिबेट, सृजनात्मक लेखन कार्य आदि को प्रोत्साहन दिया जाए।इससे युवा वर्ग में असली राष्ट्रीयता की भावना जागती है ।

सुश्री रीया शर्मा,
बी.ए.द्वित्तीय वर्ष

किसी भी देश की प्रगति एवं विकास में शांति और सद्भावना की बहुत अहम भूमिका है।ये ही तत्त्व समाज के लोगों को जोड़कर रखते हैं।शांति और सद्भावना हमारे जीवन की मूलभूत शर्त है।इन दोनों के बिना किसी भी समाज, किसी भी देश का विकास असंभव है।शांति और सद्भावना से ही हम परिवार, समाज और देश में सह–अस्तित्व में रहने वालों के बीच विवादों व झगड़ों से निपटना, शांत और अनुशासित रहना, चुनौतियों का हल ढूंढ़ना, सुधार करना आदि सिद्धांतों का पालन कर सकते हैं।

देश में विकास और समृद्धि लाने के लिए बुद्धिमान लोग शांति और सद्भावना का रास्ता अपनाते हैं।किसी भी देश में शांति और सद्भाव के बिना राजनीतिक ताकत, आर्थिक स्थिरता या सांस्कृतिक विकास हासिल करना चुनौतीपूर्ण है।दूसरों के बीच शांति और सद्भाव के विचार को प्रस्तुत करने से पहले एक व्यक्ति को खुद के अंदर शांति रखने की आवश्यकता होती है और उसी के साथ उसका शरीर और दिमाग संतुलन में रहते हैं।यहाँ तक कि एक व्यक्ति भी दूसरों के बीच शांति और सद्भाव के विचार को प्रस्तुत कर सकता है। समाज में उस शांति और सद्भावना को बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है।

हमारी अधिकतर परेशानियों की जड़ हमारे अंतर्विरोधों और शांति के बीच सामंजस्य का अभाव है। पुराने ज़माने में मनुष्य प्रकृति के सहचर के रूप में सहवास करते थे। पशु–पक्षी, नदी–समुद्र, जंगल आदि सभी वनस्पतियों के साथ एक खास तरह का जुड़ाव था। लेकिन शक्ति के एहसास और प्राकृतिक सम्पदा को अपनी निजी संपत्ति समझकर उस पर एकाधिकार के लालच के साथ हम ने मनुष्य और प्रकृति के बीच स्थापित सौहार्द को बहुत नुकसान पहुँचाया है। जीवन जीने के तरीके में यह बदलाव बिल्कुल भी वांछनीय नहीं है क्योंकि समाज और पर्यावरण में सद्भाव और शांति को बर्बाद करने के परिणाम हमें ही भुगतने होंगे।इसलिए लोगों को हमेशा यह एहसास होना चाहिए कि थोड़ी सी दया और करुणा किसी में भी मानवता की भावना को पहले जैसा कर सकती है और हमारे जीवन में हिंसा, असुरक्षा भाव, बेतुकी स्पर्धा, ईर्ष्या, द्वेष आदि दुर्भावनाओं से उपजी सभी समस्याओं को शांति और सद्भावना से हल कर सकती है।

इसका ज्वलंत उदाहरण वर्तमान में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध, हमास और इज़राइल के बीच हिंसात्मक हमले, भारत में मणिपुर के दो अलग समुदायों के बीच मुठभेड़ हैं जिनमें मासूम बच्चों, महिलाओं समेत कई लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है,उनका घर–परिवार उजड़ रहा है,उनका बचपन उनसे छीना जा रहा है।

हम सभी देशवासियों का सौभाग्य है कि इस वर्ष भारत को यह सुनहरा अवसर मिला है कि वह जी 20 समिट की अध्यक्षता करने के योग्य देश समझा गया। यह शिखर सम्मेलन एक प्रासंगिक मंच है, जहाँ से भारत से पूरे विश्व में राजनीतिक, आर्थिक विकास के साथ ही सामाजिक और सांस्कृतिक विकास का नारा बुलंद किया जा सकता है।'वसुधैव कुटुम्बकम' का सन्देश केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत न रहकर विश्व भर में एक स्थायी प्रथा बन जाए,यही कामना हम युवाओं के मन में है।

यह प्रथा बिना शांति और सद्भाव के व्यावहारिक रूप में नहीं अपनायी जा सकती। इसलिए सभी देशों को एकजुट होकर विचार–विमर्श करना होगा, युवा वर्ग को साथ में लेकर चलना होगा।

सुश्री आकृति भारद्वाज
बी.ए. द्वित्तीय वर्ष

हिंदी विभाग की गतिविधियाँ 2023–24

हिन्दी सप्ताह 2023 का आयोजन

तिथि : 08 सितंबर, 2023

गतिविधि : पोस्टर निर्माण

सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी सप्ताह का आयोजन किया। 8 सितम्बर 2023 को छात्राओं को हिन्दी भाषा की महिमा को रेखांकित करने वाले पोस्टर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

छात्राओं द्वारा निर्मित हिंदी भाषा के महत्त्व को रेखांकित करता पोस्टर

तिथि : 11 सितंबर, 2023

गतिविधि : अतिथि व्याख्यान

विषय : "हिंदी कथा लेखन और पर्यावरण संरक्षणः विचार एवं प्रक्रिया" ('जी 20' और 'युवामंथन 20' के तहत आयोजित)

11 सितंबर 2023 को महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में हिंदी विभाग द्वारा "हिंदी कथा लेखन और पर्यावरण संरक्षणः विचार एवं प्रक्रिया" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान महाविद्यालय की प्राचार्या, प्रो. सिस्टर मौली अब्राहम की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अतिथि के रूप में प्रख्यात और व्यापक रूप से पढ़े जाने वाले हिमाचली और हिंदी लेखक, श्री एस.आर. हरनोट रहे। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के विमर्श को बढ़ावा देने में हिंदी भाषा की भूमिका पर व्याख्यान देने के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया था।व्याख्यान के विषय को समझने में मदद करने के लिए छात्राओं द्वारा उनकी कहानी 'नदी गायब है' का पाठ किया गया ।

अतिथि व्याख्यान

सेंट बीड्स कॉलेज मे कथा पाठ का आयोजन

हिंदी भाषा का ज्यादा उपयोग करने का दिया संदेश

मीडिया की रिपोर्ट

तिथि : 13 सितंबर, 2023

गतिविधि :अन्तर्विद्यालय एवं अंतरयान निबंध लेखन प्रतियोगिता

विषय :"पर्यावरण एवं विकास एक दूसरे से परस्पर जुड़े हैं" एवं "शांति एवं सद्भावना देश के विकास के लिए ज़रूरी है"

13 सितंबर, 2023 को हिंदी विभाग द्वारा "पर्यावरण एवं विकास एक दूसरे से परस्पर जुड़े हैं" विषय पर एक अन्तर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता और "शांति एवं सद्भावना देश के विकास के लिए ज़रूरी है "विषय पर एक अंतरयान निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। निबंध हिन्दी में लिखे गये थे। दोनों विषय युवामंथन 20 थीम के अंतर्गत दिए गए थे।

जीसस एंड मैरी, चेल्सी स्कूल शिमला और डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लक्कड़ बाजार, शिमला के छात्रों ने अन्तर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में

भाग लिया। चेल्सी स्कूल की जोआना वर्मा पहले स्थान पर और डीएवी लक्कड़ बाजार के वत्सल भारद्वाज दूसरे स्थान पर रहे।

अंतरयान निबंध लेखन प्रतियोगिता में, आईएनएस विकास से रिया शर्मा ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद आईएनएस चिराग से सेजल दूसरे स्थान पर रहीं।

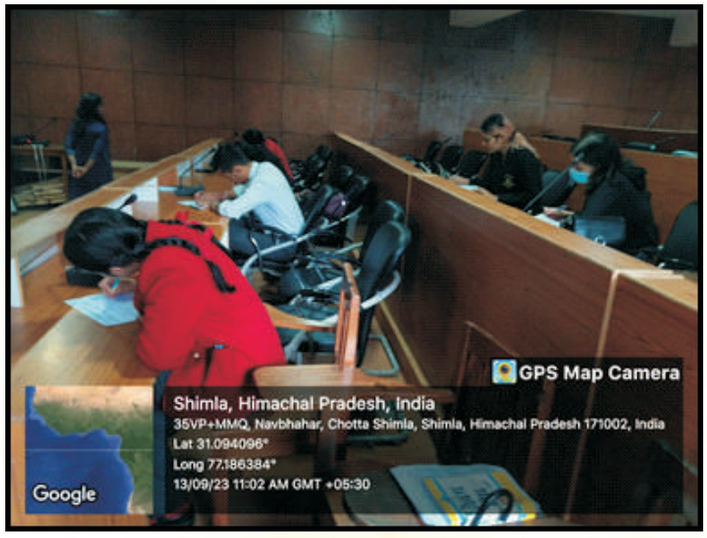

अंतर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागी

amarujala.com

चेल्सी स्कूल की जोआना निबंध लेखन में रही प्रथम

आपदा प्रबंधन का ढांचा करें मजबूत

मीडिया की रिपोर्ट

छात्रों को प्रदत्त प्रमाण पत्र

छात्रों को प्रदत्त प्रमाण पत्र

हिन्दी दिवस 2023 का आयोजन

तिथि : 14 सितंबर, 2023

गतिविधि : हिन्दी दिवस

विषय : "राष्ट्रीय एकीकरण और हिंदी" ('जी 20' और 'युवामंथन 20' के तहत आयोजित)

14 सितंबर, 2023 को सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में समूचे महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, गैर शिक्षण अधिकारी तथा छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हिंदी दिवस समारोह G20 और Y20 2023 के उपलक्ष्य में "राष्ट्रीय एकीकरण और हिंदी" विषय के तहत मनाया गया, जिसके बीच आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बी.ए, बीकॉम तथा डी.एल.एड.की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। उन्होंने समारोह के सूत्रधार के रूप में, भाषण,प्रख्यात हिंदी कवि और स्वतंत्रता सेनानी 'अज्ञेय' पर पीपीटी, राष्ट्रीय एकता और हिंदी पर समूह नृत्य आदि प्रस्तुत किये।

"राष्ट्रीय एकीकरण और हिंदी" थीम पर छात्राओं की नृत्य प्रस्तुति

हिंदी भाषा के महत्त्व पर भाषण देती डी. एल .एड की छात्रा

तिथि : 21 फ़रवरी, 2024

गतिविधि :"मेरी मातृभाषा मेरी पहचान"पर कविता लेखन प्रतियोगिता

अवसर :अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024

21 फ़रवरी 2024 को सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 मनाया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभाग द्वारा यह प्रयास किया गया कि महाविद्यालय की छात्राएँ अपनी मातृभाषा के महत्त्व को समझें और उसका प्रयोग अपने दैनंदिन जीवन में करते हुए उसे गति देती रहें । इस उपलक्ष्य में विभाग द्वारा **"मेरी मातृभाषा मेरी पहचान"** पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी. ए. की छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया। विजेताओं का विवरण इस प्रकार है–

स्थान	नाम	कक्षा	बोली
प्रथम	सुश्री सहर शर्मा	बी.ए. द्वित्तीय वर्ष	पहाड़ी
द्वित्तीय	सुश्री मीनाक्षी शर्मा	बी.ए. तृत्तीय वर्ष	मंडयाली

तिथि : 11 मार्च, 2024

गतिविधि : हिंदी विभाग और डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसाइटी की सहभागिता में आयोजित नुक्कड़ नाटक

थीम : "मुझे काटो मत मुझे रोको मत"

अवसर : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024

11 मार्च, 2024 को सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग और डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसाइटी की सहभागिता में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 के अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक का विषय था "मुझे काटो मत, मुझे रोको मत"। महाविद्यालय की बी.ए., बीकॉम और अर्थशास्त्र की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का मंचन एम्फीथिएटर, रिज, शिमला में आम जनता के बीच उत्साहपूर्वक किया, जिसमें महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ ही 'चिपको' और 'नर्मदा बचाओ' आंदोलनों के विशेष संदर्भ में प्रकृति संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया गया। यह नुक्कड़ नाटक मूलतः इकोफेमिनिज़्म की विचारधारा को प्रदर्शित करने के लिए मंचित किया गया।

एम्फीथियेटर रिज पर छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन

नाटक का मंचन कर युवाओं ने बटोरी वाहवाही

शिमला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सैंट बीड्स कॉलेज की छात्राओं की ओर से सोमवार को रिज मैदान के ओपन थियेटर में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। हिंदी विभाग और डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसायटी की ओर से मुझे काटो मत, मुझे रोको मत नाटक के जरिये सामाजिक कुरीतियों को दर्शकों के समक्ष रखा गया। कॉलेज छात्राओं ने अपने अभिनय के माध्यम से महिलाओं की पारिवारिक, सामाजिक भूमिकाओं को रेखांकित करते हुए उनके प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अहम भूमिका को रेखांकित किया। नाटक में अरूणिमा, इशिता, जाह्नवी, रित्विका और भूमिका ने अभिनय किया। संवाद

मीडिया की रिपोर्ट

सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की उपलब्धियाँ

सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्षा को मिला 'हिमालय युवा साहित्य सृजन सम्मान'

9 दिसम्बर, 2023 को ऐतिहासिक शिमला गेयटी थियेटर में हिमालय साहित्य संस्कृति एवं पर्यावरण मंच, शिमला द्वारा आयोजित 'महिला रचनाकार सम्मान समारोह' में हिमाचल प्रदेश के **माननीय राज्यपाल, श्री शिव प्रसाद शुक्ल** जी द्वारा सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्षा, डॉ देविना अक्षयवर को 'हिमालय युवा साहित्य सृजन सम्मान' से नवाज़ा गया। हिंदी साहित्य के क्षेत्र में स्त्री विमर्श से सम्बन्धित उनकी साहित्यिक रचनाओं, आलोचनात्मक लेखों, अनुवाद कार्यों और गत वर्ष उनकी '**प्रवासी साहित्य और अभिमन्यु अनत**' नामक पुस्तक के विमोचन आदि योगदान के लिए उनको सम्मानित किया गया।

सम्मानित महिला रचनाकारों में वरिष्ठ लेखिका डॉ. नलिनी विभा 'नाज़ली', डॉ. प्रेरणा ठाकरे, डॉ. देवकन्या ठाकुर और दीप्ति सारस्वत 'प्रतिमा' भी शामिल रहीं ।

डॉ देविना अक्षयवर को 'हिमालय युवा साहित्य सृजन सम्मान'

हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श प्रमुखता से विद्यमान : शुक्ल

गेयटी में महिला साहित्यकारों को किया सम्मानित

हिन्द प्रहरी

प्रादेशिक

अद्भुत समायोजन में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल

पंत पीठ ने किया उत्तराखंड विद्युत् सभा का आतिथ्य

मीडिया की रिपोर्ट

14 सितम्बर 2023 को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग की अध्यक्षा डॉ देविना अक्षयवर को दूरदर्शन शिमला की ओर से '**वाग्धारा**' कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट के लिए आमंत्रित किया गया था। हिंदी प्राध्यापिका होने के नाते डॉ देविना ने '**वर्तमान युवा पीढ़ी और हिंदी** ' विषय पर चर्चा की। यह कार्यक्रम मूल रूप से युवा पीढ़ी को हिंदी भाषा की गरिमा को पहचानने और उसके प्रति रुचि लेने के लिए प्रत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

https://www.youtube.com/watch?v=KEMILKyW34A

सत्र 2022–23 में सुश्री शिखा शांडिल और सुश्री आरुषि शर्मा हिंदी विषय में उत्तीर्ण होने के बाद पंजाब विश्वविद्यालय से एम. ए. हिंदी की उपाधि के लिए अध्ययन कर रही हैं।

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड एसोसिएशन द्वारा आयोजित शिविर में सुश्री अंजना देवी की भागीदारी

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड एसोसिएशन द्वारा कुल्लू–मनाली में 24 मई से 30 मई 2024 को नेशनल टीचर ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया जिसमें सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला के हिंदी विभाग की सहायक आचार्या सुश्री अंजना देवी ने बेसिक कोर्स के लिए भाग लिया।

Hindustan Scouts & Guides Association

Recognised by Ministry of Youth Affairs & Sports, Government of India,
No.F.31014/1/2012-NSS-NPYAD, Registration : Society Act 1860 - 33939/1998.
Affiliated with World Federation of Independent Scouts, Germany

Certificate of Participation

Awarded to

Mr./Mrs. ANJANA DEVI

of ST. BEDE'S COLLEGE, SHIMLA

State HIMACHAL PRADESH for participating in National Teachers Training Camp -2024 at Kullu-Manali, Himachal Pradesh from 24th to 30th May 2024.

for BASIC RANGER course in GUIDE section.

May this honour be a milestone in your life to serve the Nation.

No: HSGA/NHQ/_NTTC-24 / BC-G-06

Date of Issue : 28-05-2024

Camp Director

Leader of the Course

बेसिक कोर्स प्रमाण–पत्र

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की गतिविधियाँ

शिखा शांडिल को प्रथम स्थान के लिए प्राप्त ट्रॉफी और प्रमाण पत्र

आरुषि शर्मा को द्वित्तीय स्थान के लिए प्राप्त ट्रॉफी और प्रमाण पत्र

सत्र 2023–24 में सुश्री तमन्ना ठाकुर बी .ए. तृत्तीय वर्ष को हिंदी विषय में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

तमन्ना ठाकुर को प्रथम स्थान के लिए प्राप्त ट्रॉफी और प्रमाण पत्र

द्वारा प्रो० सिस्टर मॉली अब्राहम, प्रधानाचार्या, सेंट बीड्स कॉलेज शिमला – 171 002
विभाग प्रधान सम्पादिका डॉ देविना अक्षयवर, सह–सम्पादिका सुश्री अंजना देवी